Regarding the situation arising out of the polluted water and waste being discharged from the state of Punjab into the canals of Harika barrage in Rajasthan

श्री हनुमान बेनीवाल **(**नागौर**) :** महोदय, सबसे पहले तो मैं आपको धन्यवाद दूंगा । विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुए मैं अपनी बात शुरू करूंगा । पंजाब राज्य से राजस्थान की नहरों में हरिके बैराज पर प्रवाहित किये जाने वाले दूषित जल और अपशिष्ट से उत्पन्न स्थिति की तरफ आकर्षित करना चाहूँ गा ।

राजस्थान रावी, व्यास और सतलुज का जल हरिके बैराज के डाउन स्ट्रीम से प्राप्त करता है । पंजाब राज्य में सतलुज नदी के आस-पास बसे शहरों व कस्बों का नगरीय अपशिष्ट व औद्योगिक अपशिष्ट नालों से होते हुए सतलुज नदी में मिलते हुए हरिके बैराज में आता है । हरिके बैराज में आया हुआ जल राजस्थान के इंदिरा गांधी फीडर और फिरोजपुर फीडर में छोड़ा जाता है, इंदिरा गांधी फीडर का पानी राजस्थान को मिलता है और फिरोजपुर फीडर पंजाब व राजस्थान की संयुक्त नहर है ।

माननीय सभापति **:** हनुमान जी, आप अपनी मांग रखिये ।

श्री हनुमान बेनीवाल **:** सर, एक मिनट दीजिए । इन नहरों में अपशिष्ट से मानव जीवन पर प्रतिकूल असर पड़ता है । मैंने पूर्व में कई बार इस विषय को उठाया और प्राप्त जानकारी के अनुसार अपशिष्टों के शोधन हेतु पंजाब में STP's & CETP's निर्माणाधीन हैं, लेकिन यहाँ और बेहतर उपाय करने की जरुरत है । एनजीटी ने भी पंजाब सरकार को आवश्यक निर्देश दिए, मगर कोई सकारात्मक असर नहीं हुआ है । मैं अपनी मांग कर रहा हूँ । मेरी मांग है कि भारत सरकार का केन्द्रीय प्रदूषण? (व्यवधान)